DCT-19070101030200 Seat No. _____

B. R. S. (Sem. III) (CBCS) Examination

August - 2022

Hindi : FND-305

(New Course)

Time : $2\frac{1}{2}$ Hours] [Total Marks : **70**

सूचना : (१) सभी प्रश्नों के उत्तर सूचनानुसार दीजिए ।
(२) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
(३) सभी प्रश्नों के अंक समान है ।

१ एकांकीकला के तत्वों पर प्रकाश डालिए । १४

२ 'स्ट्राइक' एकांकी की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए । १४

३ डॉ. रामकुमार वर्मा के जीवन–कवन पर प्रकाश डालिए । १४

४ एकांकीकला के तत्वों के आधार पर 'प्रतिशोध' एकांकी का मूल्यांकन कीजिए । १४

५ 'पर्दे के पीछे' एकांकी में व्यक्त भ्रष्टाचार पर प्रकाश डालिए । १४

६ 'शारदा' का चरित्र–चित्रण कीजिए । १४

७ विष्णुप्रभाकर का संक्षिप्त जीवन–परिचय देते हुए उनके कृतित्व पर प्रकाश डालिए । १४

८ 'उमा' की चारित्रिक विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए । १४

९ ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए । १४

(१) 'क्या जवाब दूँ बाबूजी ! जब कुर्सी–मेज बिकती है, तब दुकानदार कुर्सी–मेज से कुछ नहीं पूछता, सिर्फ खरीददार को दिखला देता है । पसन्द आ गयी तो अच्छा है, वरना... ।'

(२) 'यह प्रेम का ताप है । जितना बढ़ता है, सौंदर्य उतना ही निखरता है कविता उतनी ही प्रसर होती है, उन्माद उतना मादक होता है ।'

१० निम्नांकित परिच्छेद का संक्षेपण कीजिए । १४

(१) 'मनुष्य को उस जगत नियन्ता ने जो अनमोल वस्तुएँ प्रदान की है उसमें एक श्रम भी है जिसके द्वारा इस जगत का नित–नूतन श्रृंगार हुआ है । विश्व में जब हम चारों ओर देखते हैं तो हमें सुन्दर प्रासाद, उद्यान और करोड़ों प्रकार के सुख–साधन दिखाई देते है । यह सब चीजें अपने आप तो नहीं बनीं । इनमें कोई न कोई वस्तु जरूर लगी है और वह है श्रम । इस परिश्रम के द्वारा ही यह पृथ्वी इतनी मनोहारी और आकर्षक बन सकी है । अगर श्रम न होता तो मानव अपने जीवन को कभी इतना आकर्षक नहीं बना सकता था ।'

(२) माल में दोष होने का शिकायत पत्र व्यापारी को लिखिए ।